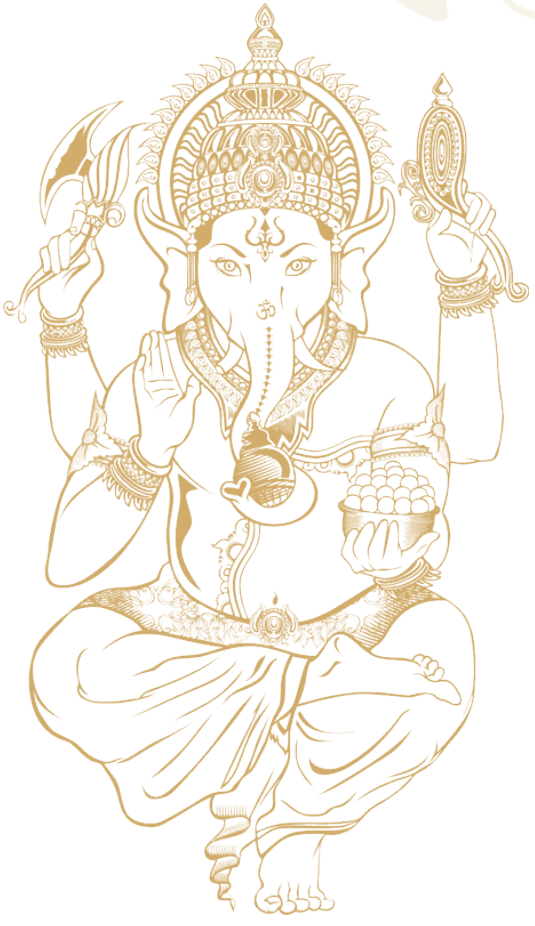

Kaushiki Sharma

22 Oct 2016

06:00 PM

Deoband

Model: web-freekundliweb

Order No: 121786209

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**22/10/2016**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**18:00:00 घंटे**
इष्ट	28:55:14 घटी
स्थान	**Deoband**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	77:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:40:40 घंटे
वेलान्तर	00:15:36 घंटे
साम्पातिक काल	19:46:09 घंटे
सूर्योदय	06:25:54 घंटे
सूर्यास्त	17:41:23 घंटे
दिनमान	11:15:29 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	05:26:35 तुला
लग्न के अंश	12:50:57 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	बालव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हिना
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	12:50:57	466:14:12	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
सूर्य			तुला	05:26:35	00:59:43	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	नीच राशि
चंद्र			कर्क	01:57:41	13:28:24	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	स्वराशि
मंगल			धनु	23:07:11	00:42:30	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध		अ	तुला	01:57:37	01:41:41	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	15:08:33	00:12:34	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	11:01:35	01:12:32	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	सम राशि
शनि			वृश्चि	19:20:59	00:05:44	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	17:31:31	00:00:17	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	17:31:31	00:00:17	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		मीन	28:07:49	00:02:25	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	---
नेप	व		कुंभ	15:22:35	00:00:55	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	21:00:23	00:00:47	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
दशम भाव			मक	00:31:19	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:05:24

लग्न-चलित

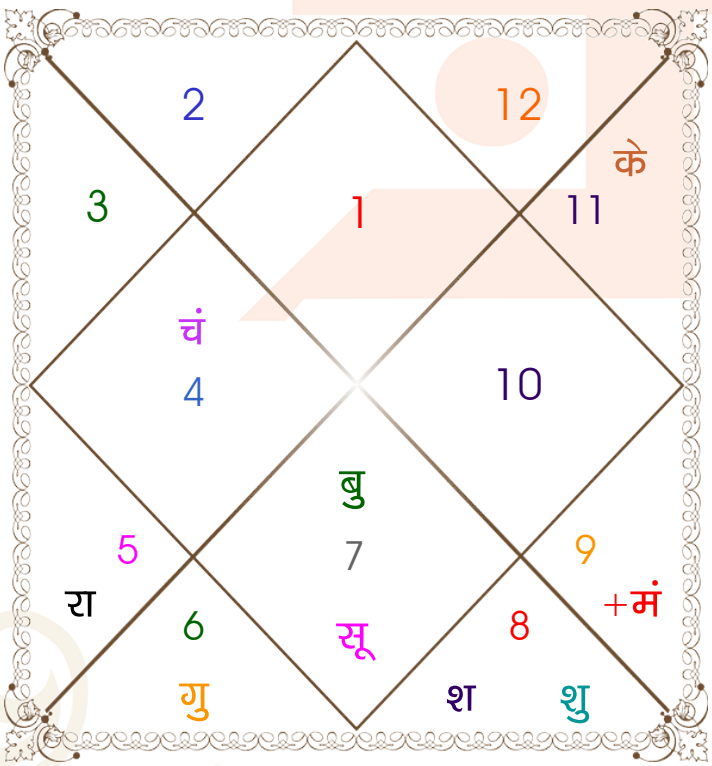

चन्द्र कुंडली

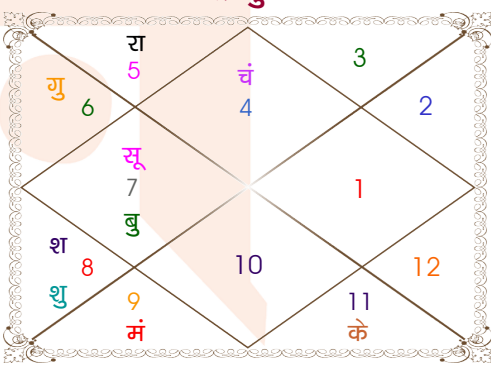

नवमांश कुंडली

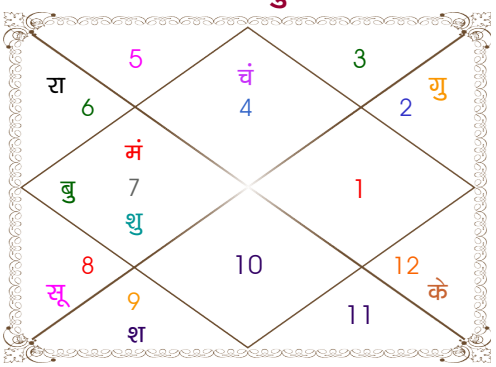

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 1 वर्ष 7 मास 22 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
22/10/2016		16/06/2018		15/06/2037		16/06/2054		15/06/2061	
16/06/2018		15/06/2037		16/06/2054		15/06/2061		15/06/2081	
	00/00/0000	शनि	18/06/2021	बुध	12/11/2039	केतु	12/11/2054	शुक्र	15/10/2064
	00/00/0000	बुध	26/02/2024	केतु	08/11/2040	शुक्र	12/01/2056	सूर्य	15/10/2065
	00/00/0000	केतु	06/04/2025	शुक्र	09/09/2043	सूर्य	19/05/2056	चंद्र	16/06/2067
	00/00/0000	शुक्र	06/06/2028	सूर्य	15/07/2044	चंद्र	18/12/2056	मंगल	15/08/2068
	00/00/0000	सूर्य	19/05/2029	चंद्र	15/12/2045	मंगल	16/05/2057	राहु	16/08/2071
	00/00/0000	चंद्र	18/12/2030	मंगल	12/12/2046	राहु	03/06/2058	गुरु	16/04/2074
	00/00/0000	मंगल	27/01/2032	राहु	01/07/2049	गुरु	10/05/2059	शनि	15/06/2077
	22/10/2016	राहु	03/12/2034	गुरु	06/10/2051	शनि	18/06/2060	बुध	15/04/2080
राहु	16/06/2018	गुरु	15/06/2037	शनि	16/06/2054	बुध	15/06/2061	केतु	15/06/2081

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
15/06/2081		16/06/2087		15/06/2097		16/06/2104		17/06/2122	
16/06/2087		15/06/2097		16/06/2104		17/06/2122		23/10/2136	
सूर्य	03/10/2081	चंद्र	15/04/2088	मंगल	11/11/2097	राहु	27/02/2107	गुरु	04/08/2124
चंद्र	04/04/2082	मंगल	14/11/2088	राहु	30/11/2098	गुरु	23/07/2109	शनि	15/02/2127
मंगल	09/08/2082	राहु	16/05/2090	गुरु	06/11/2099	शनि	29/05/2112	बुध	23/05/2129
राहु	04/07/2083	गुरु	15/09/2091	शनि	16/12/2100	बुध	16/12/2114	केतु	29/04/2130
गुरु	21/04/2084	शनि	15/04/2093	बुध	13/12/2101	केतु	04/01/2116	शुक्र	28/12/2132
शनि	03/04/2085	बुध	15/09/2094	केतु	11/05/2102	शुक्र	03/01/2119	सूर्य	16/10/2133
बुध	08/02/2086	केतु	16/04/2095	शुक्र	11/07/2103	सूर्य	28/11/2119	चंद्र	15/02/2135
केतु	16/06/2086	शुक्र	15/12/2096	सूर्य	16/11/2103	चंद्र	29/05/2121	मंगल	22/01/2136
शुक्र	16/06/2087	सूर्य	15/06/2097	चंद्र	16/06/2104	मंगल	17/06/2122	राहु	23/10/2136

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 8 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह राशि के द्रेष्काण, कर्क राशि के नवमांश एवं मेष लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नादि के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आप अपने भविष्य में कोई भी कार्य निश्चित समय पर प्रारंभ करेंगी। आप व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कुशल, किसी पर भी दिल से विश्वास करने वाली, तथा किसी भी कार्य को दृढ़तापूर्वक अपने भरोसे प्रारंभ करने वाली एक अच्छी भाग्यशाली महिला हैं।

जन्म प्रभाव से आप चंचल प्रकृति की स्त्री हैं। आप अकेली अपनी समझ से पूर्ण विश्वसनीयता एवं श्रद्धा पूर्वक अपने लक्ष्य की ओर किसी भी वस्तु को उपार्जित करती हैं तथा अपना लक्ष्य भेदन कर लेती हैं। आपका जन्म चर लग्न एवं चर नवमांश में हुआ है। फलस्वरूप आप किसी कार्य को करने के पहले हिचकती हैं। तथा उसे एक बार नकारात्मक समझ लेती है पुनः किसी भी क्षण उसे पसंद कर कार्य रूप देती हैं।

आप में निःसंदेह बहुत सारे कार्य संपादन के अधिकार अर्थात् गुण विद्यमान हैं। आप किसी के अधीन रह कर किसी भी कठिन कार्य को सुगमता पूर्वक एवं विस्तार पूर्वक अच्छी प्रकार निष्पादन कर लेती हैं। आप में आश्चर्यजनक शक्ति विद्यमान है, एवं आपका स्वाभिमान आप में द्रुत गति से कार्य संपादन करने की क्षमता प्रदान करता हैं।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक नवीन कल्पना से एक बार किसी भी कार्य का संचालन कर लेती हैं। परंतु आपकी योजना को निष्पादन करने में कोई न कोई व्यवधान उपस्थित हो जाता है। क्योंकि संचालित कार्य को अधूरा छोड़ कर आपका झुकाव किसी नये उद्यम की ओर हो जाता है। जिसे आप स्वयं संपादन करना चाहती हैं। यदि आप इन आदतों को त्याग दें तो आप सफलता के उच्च शिखर पर पहुंच सकती हैं।

आप किसी भी विस्तृत योजना या खरीददारी पर शीघ्रता पूर्वक किसी धन का निवेश नहीं करें अन्यथा यह आवश्यक है कि जल्दबाजी के सौदे से कोई अन्य गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

आप प्रेम संबंध में अत्यंत स्पष्टवादी एवं उत्साही प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा देंगी क्योंकि आप एक अच्छे स्वभाव की सौम्य महिला हैं। परंतु कोई आपको बहुत प्यार करता है तो आप उसके वशी भूत न होकर, धैर्य पूर्वक पवित्र आत्मा से स्वतंत्र रहना चाहती हैं।

यह स्पष्ट है कि आपका विस्तृत पारिवारिक जीवन छोटी-मोटी बाधाओं को छोड़ कर उत्तम और अनुकूल रहेगा। आपके जन्मप्रभाव से ऐसा निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आप असामयिक माता-पिता बनने का आनंद प्राप्त नहीं करेंगी। आप पुत्र सुख प्राप्ति की प्रत्याशा छोड़ दे। आपको आपके पुत्र के साथ सदैव अस्वाभाविक संयोग एवं संबंध स्थापित होने की संभावना है अर्थात् उत्तम पुत्र सुख का अभाव रहेगा। अस्तु आपको अपने पुत्र के साथ धैर्य पूर्वक एवं समझदारी के साथ सामान्य व्यवहारिकता अपनानी चाहिए ताकि बच्चे के दिल पर

कोई आघात न लगे। बल्कि पुत्र के साथ किसी भी रूप में कठोर व्यवहार नहीं करें।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु हृष्ट-पुष्ट एवं बल से युक्त रहेंगी। आप विशाल मस्तिष्क से युक्त परंतु आपके ओठों पर संकीर्णता विद्यमान रहेगी। यह संभव है कि आपकी युवावास्था में ही कोई घाव का चिह्न आपके मस्तक पर लग जाए अर्थात् माथे पर कोई घाव का चिन्ह संभाव्य है। जीवन में कभी भी कोई सामान्य दुर्घटना से आप जख्मी हों सकती हैं। अतः आपको सावधान रहना होगा। परंतु आपको सदैव ही गंभीर दुर्घटना के प्रति सजग भी रहना होगा अन्यथा किसी बड़ी दुर्घटना से मस्तिष्क में चोट लग सकती हैं। आपको मानसिक वेदना या पश्चाताप न हो अतएव सदैव (लगातार) अपने सिर की सुरक्षा तथा पक्षाघात रोग के प्रति सतर्क रहना पड़ेगा। अतः आपको पर्याप्त मात्रा में निश्चिंतता पूर्वक आपत्ति रहित निद्रा तथा आराम प्राप्त करना चाहिए। आपको निश्चित रूप से मद्य एवं मांसाहार से बच कर रहना चाहिए तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें।

आपके व्यक्तिगत जीवन में अनुकूलता लाने एवं शुभ प्रभाव हेतु कुछ महत्वपूर्ण रंगादि का प्रयोग महत्वपूर्ण हैं। आपके लिए अनुकूल रंग लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला है जबकि हर दशा में काला रंग त्याज्यनीय है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक अनुकूल नही है, परंतु अंक 9 एवं 1 अंक आपके लिए प्रभावी सिद्ध होगा तथा अंक 4 एवं 8 अंक के प्रति आपका आकर्षण रहेगा।